एम्स भोपाल में जल्द शुरू होगा लंग्स ट्रांसप्लांट

तैयारी... मशीनों का हो चुका सेटअप, मरीजों को नहीं जाना पड़ेगा दिल्ली-मुंबई

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 मार्च. अब गंभीर फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे मरीजों को इलाज के लिए मुंबई और दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा. एम्स भोपाल अब तेजी से लंग्स (फेफड़ों) ट्रांसप्लांट शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है. जिससे प्रदेश में ही जीवनरक्षक इलाज संभव हो सकेगा.

प्रदेश में इस सुविधा की शुरुआत से मरीजों का समय, खर्च और जोखिम तीनों कम होंगे और उन्हें समय पर इलाज मिल सकेगा. अस्पताल प्रबंधन के अनुसार लंग्स ट्रांसप्लांट के लिए जरूरी अत्याधुनिक मशीनें जैसे एक्मो, हार्ट लंग मशीन और आईएबीपी पहले से ही उपलब्ध हैं, लेकिन अभी सर्जरी के लिये डॉक्टर, स्टॉफ और ट्रेनी को तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है. जिसे पूरा होने में करीब 4 से 5 महीने लग सकते हैं.

देशभर के विशेषज्ञ डॉक्टरों से मिलेगा प्रशिक्षण : एम्स में 28 मार्च को संस्थान में लंग ट्रांसप्लांट द रोड अहेड विषय पर एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक संगोष्ठी भी आयोजित की जा रही है.जिसमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद जैसे शहरों सहित देशभर के प्रमुख अस्पतालों से आने वाली विशेषज्ञ टीम, एम्स डॉक्टरों को आधुनिक तकनीक, मरीज चयन और सर्जरी से जुड़ी जटिलताओं पर प्रशिक्षण देगी. साथ ही कार्यक्रम में सर्जरी, एनेस्थीसिया, पल्मोनोलॉजी और क्रिटिकल केयर के विशेषज्ञ एक साथ बैठकर लंग ट्रांसप्लांट की पूरी प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे.

एम्स पहले ही किडनी और हार्ट ट्रांसप्लांट में आगे है. वहीं अब लंग ट्रांसप्लांट शुरू होने से एंड स्टेज लंग्स डिजीज, पल्मोनरी फाइब्रोसिस और सीओपीडी जैसे गंभीर मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है.

जानकारी के अनुसार संस्थान की टीम इस जटिल प्रक्रिया के लिए तैयार हो रही है. वहीं इसके लिये डॉक्टरों ने चेन्नई में विशेष प्रशिक्षण लेकर तकनीकी दक्षता हासिल की है. जिससे अस्पताल में सर्जिकल सेटअप, आईसीयू सपोर्ट और पोस्ट ट्रांसप्लांट केयर को मजबूत किया जा रहा है. प्रदेश में इस सुविधा की शुरुआत से मरीजों का समय, खर्च और जोखिम तीनों कम होंगे और उन्हें समय पर इलाज मिल सकेगा.

4 से 6 घंटे के भीतर होता है लंग्स ट्रांसप्लांट

विशेषज्ञ के अनुसार फेफड़े का डोनर मुख्य रूप से ब्रेन डेड व्यक्ति हो सकता हैं. बस डोनर का ब्लड ग्रुप, फेफड़े का आकार और ऊतक मैच होने चाहिए. आमतौर पर 4 से 6 घंटे के भीतर लंग्स ट्रांसप्लांट किया जाना चाहिए. वहीं सबसे अच्छे परिणामों के लिए, इन्हें मस्तिष्क मृत्यु के तुरंत बाद निकाला जाता है, क्योंकि ऑक्सीजन की कमी से ये तेजी से खराब हो सकते हैं. लेकिन उचित वेंटिलेशन और तकनीक के साथ यह समय सीमा 8 घंटे तक भी बढ़ सकती है.

भेल ने सौवां पावर ट्रांसफॉर्मर किया रवाना

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 22 मार्च. वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए बीएचईएल के ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण विभाग ने 100वें पावर ट्रांसफॉर्मर का सफल निर्माण एवं प्रेषण किया.

इस अवसर पर एनटीबी परिसर में एक औपचारिक समारोह आयोजित किया गया. समारोह में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने 100वें ट्रांसफॉर्मर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह उपलब्धि विभाग की सशक्त कार्य संस्कृति, टीम वर्क और उत्कृष्टता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है. कार्यक्रम में महाप्रबंधक रूपेश तैलंग, जी. पी. बघेल, एस. के. महाजन, आलोक सेंगर, राजेश कुमार अग्रवाल एवं प्रदीप चन्द्र कांडपाल अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे. अपने संबोधन में उपाध्याय ने टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया.उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि संगठन की उच्च उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्य निष्पादन का प्रमाण है.

सामाजिक सशक्तिकरण पर मंथन

कोली समाज की प्रादेशिक बैठक

भोपाल, 22 मार्च.अखिल भारतीय कोली समाज मप्र शाखा की एक प्रादेशिक बैठक शहीद भवन, एमएलए रेस्ट हाउस में हुई. इस बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास को लेकर चर्चा हुई और भविष्य की रणनीति तैयार की गई.मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप थे.

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण पवार ने अध्यक्षता की. बैठक में कश्यप ने कहा कि समाज की उन्नति तभी संभव है, जब युवा पीढ़ी शिक्षित हो और हम आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें.उन्होंने राजनीतिक सहभागिता को समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अनिवार्य बताया.राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष, पूर्व विधायक हरिशंकर माहौर ने समाज को एकजुट होकर अपनी शक्ति प्रदर्शन करने का आह्वान किया.राष्ट्रीय महामंत्री डीपी शंखवर ने संगठन की मजबूती और विस्तार पर बल दिया. गुजरात के विधायक कनुभाई एवं किशोर भाई शेख ने गुजरात में समाज की प्रगति के उदाहरण देते हुए मध्यप्रदेश में भी उसी ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी.

कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष महेश उमरैया के स्वागत भाषण से हुई.अतिथियों का स्वागत कार्यवाहक अध्यक्ष अमरदीप कंसोरिया, प्रकाश महावर कोली, युवा प्रदेश अध्यक्ष अरविंद वर्मा, कुंदन खजुरिया और पवन महाराज द्वारा किया गया. संचालन महामंत्री दिलीप देवरिया ने किया, अंत में आभार गणेश शाक्य ने व्यक्त किया.इस अवसर पर प्रदेश पदाधिकारी एवं नवनियुक्त जिला अध्यक्षों का शपथ ग्रहण हुआ तथा सभी को नियुक्ति पत्र भेंट किए गये.

राजपूत समाज के युवक-युवतियों ने दिया परिचय

भोपाल, 22 मार्च. क्षत्रिय राजपूत महासभा भोपाल इकाई द्वारा रविवार को शिव-पार्वती मंदिर परिसर न्यू जेल रोड करोंद में राजपूत समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया. सम्मेलन में लगभग 100 युवक-युवतियों ने मंच से अपना परिचय दिया.

समाज के मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सिंह चौहान के मुताबिक परिचय सम्मेलन में भोपाल के अलावा रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), जबलपुर सहित अन्य जिलों से युवक-युवती अपने परिजन के साथ शामिल हुए थे. इस दौरान मंच से लगभग 100 युवक-युवती ने अपना परिचय दिया. इस दौरान कई परिवारों में रिश्तों को लेकर चर्चा भी हुई. यह सम्मेलन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मवीर सिंह राजावत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ. इसमें आयोजनकर्ता चेतन सिंह, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथ सिंह तोमर, उपाध्यक्ष नरेश सिंह तोमर, जिलाध्यक्ष बलराम सिंह राजपूत (परिहार), जिला कोषाध्यक्ष जगरूप सिंह परिहार सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे.

दादाजी धाम में हुई मां कूष्मांडा की पूजन

भोपाल, 22 मार्च. रायसेन रोड पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है. नवरात्रि के चौथे दिन रविवार को मां कूष्मांडा का विधि-विधान से पूजन संपन्न हुआ. रविवार सुबह 9 बजे पंडित जी के सान्निध्य में यजमान सर्वेश एवं उनकी पत्नी शिखा द्वारा पूजन किया गया. इसके बाद सुबह 9:30 से 10:45 बजे तक श्री गुरु गीता का सामूहिक पाठ सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम में कैलाश नारायण झा, विजय चौधरी, दिलीप कुमार व्यास, राजेंद्र पाराशर, राधेश्याम हंसवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे.

एक नजर में

वैशाली नगर में गणगौर पर्व पर की पूजा

भोपाल, 22 मार्च. राजधानी के वैशाली नगर में धूमधाम से गणगौर पर्व मनाया जा रहा है. जिसमें महिलाओं ने गणगौर माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की.

भगवान मीनेष का मनाया जन्मोत्सव

भोपाल, 22 मार्च. राजधानी भोपाल के कोलार में मीना युवा संगठन द्वारा भगवान मीनेष का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर भगवान की पूजा-अर्चना कर महाआरती की गई. इस दौरान विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की. कार्यक्रम में अतुल महाराज, जगदीश मीना, संतोष मीना, भगवान सिंह मीना, लीलेंद्र सिंह मारन, संगठन अध्यक्ष मनफूल मीना, सुदेश मीना, ब्रजेश मीना, सुनील मीना, राकेश मीना, आशीष मीना, सौरभ मारन,दीपक मीना व अन्य श्रद्धालु शामिल थे.

60 इलाकों में बिजली कटौती आज

भोपाल, 22 मार्च. शहर में मेंटनेंस के लिए सोमवार को लगभग 60 इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी. सोमवार सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक 45 बंगलो, बेतवा अपॉर्टमेंट, जीटीबी कॉम्पलेक्स. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक शिविका, मीनाल इन्क्लेव, विनायक परिसर, दाना पानी, अंसल प्रधान, आकांक्षा इन्क्लेव, एमपी एमएलए क्वार्टर, जवाहर चौक, टीटी नगर, गंगौत्री भवन, प्रियदर्शनी, सागर बंगलो, बीडीए, गोविंदपुरा, बंजारा बस्ती. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बैरागढ़ क्षेत्र के भैंसाखेड़ी, बैरागढ़ मंडी, इंद्रा नगर, बहेटा गांव, एच वाई, एफ वार्ड समेत अशोक विहार, अशोक सम्राट, अंत्योदय नगर, अशोका गार्डन, नगर निगम कॉलोनी में बिजली सप्लाई बंद रहेगी.

स्त्री का त्याग और संकल्प बना साहस का प्रतीक

भारत भवन में आद्या समारोह का समापन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 मार्च. भारत भवन में छह दिवसीय आद्या नाट्य समारोह का समापन रविवार को नाटक सैनाणी के मंचन से हुआ. जिसने स्त्री शक्ति और आत्मसम्मान की गहरी परतों को सामने रखा.

संजय श्रीवास्तव द्वारा लिखित और नीति श्रीवास्तव के निर्देशन में क्रिएटिव आर्ट एंड कल्चर सोसायटी के कलाकारों द्वारा नाटक को मंच पर जीवंत किया गया.यह प्रस्तुति केवल एक ऐतिहासिक कथा का मंचन नहीं रही बल्कि स्त्री के भीतर मौजूद साहस और उसकी पहचान को समझने का एक प्रयास बनकर सामने आई.

करीब 80 मिनट की इस प्रस्तुति में राजस्थान की वीरांगना हाड़ी रानी की कथा को आधार बनाते हुए स्त्री के त्याग और संकल्प को उभारा गया. कथा केवल इतिहास तक सीमित नहीं रही बल्कि वर्तमान में स्त्री के अस्तित्व और उसके आत्मसम्मान के संघर्ष को भी समानांतर रूप से सामने लाती दिखी.

नाटक की संरचना इस तरह बुनी गई कि हर दृश्य एक नए भाव के साथ खुलता है. कहीं कर्तव्य का दबाव है तो कहीं भीतर की पीड़ा और स्वतंत्रता की चाह. नायिका के सधे हुए अभिनय ने दिखाया कि स्त्री केवल परंपराओं का पालन करने वाली नहीं बल्कि निर्णय लेने वाली भी है. नाटक मंचन में संगीत और संवादों के सीमित इस्तेमाल ने दृश्यों को और अधिक सजीव किया.वहीं कलाकारों ने अपने अभिनय के संतुलन में तालमेल का अद्भुत संयोजन बनाकर भावों को सहज रूप में प्रस्तुत किया. नायिका की भूमिका में ज्योति दुबे ने स्त्री मन की दृढ़ता, संवेदनशीलता दोनों को एक साथ सामने रखा.

जल को बचाने में नीतियां ही नहीं, जनभागीदारी भी जरूरी

मैनिट में विश्व जल दिवस पर हुई चर्चा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 मार्च. जल ही आनंद है, जल ही पोषण है, जल ही शक्ति है और जल ही सृष्टा है. इस संदेश के साथ मैनिट में विश्व जल दिवस के तहत जल पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें विशेषज्ञों ने बढ़ते जल संकट पर गंभीर चिंता जताई.

विकसित भारत 2047 और जल प्रबंधन विषय पर हुए इस आयोजन में जल संसाधनों के समान वितरण और सतत उपयोग को लेकर विस्तृत मंथन हुआ. कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक डॉ. केके शुक्ल ने किया. इस दौरान केंद्रीय जल आयोग के एम डब्ल्यू पौनिकर, डॉ. आरएन यादव, डॉ. सुभाष सिंह और डॉ. एमएस चौहान सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे.

कार्यक्रम में वक्ताओं ने साफ किया कि जल संकट अब भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान की चुनौती बन चुका है. विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. एसएम यादव ने बताया कि पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल में केवल 2.5 प्रतिशत ही मीठा पानी है और उसमें से भी अधिकांश ग्लेशियरों में बंद है.

भारत के पास सीमित जल संसाधन हैं जबकि आबादी का दबाव लगातार बढ़ रहा है.उन्होंने कहा कि जल संकट का सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ता है. दुनिया की हर 5 में से एक महिला को सुरक्षित पेयजल नहीं मिल पाता और लाखों महिलाएं रोजाना घंटों पानी लाने में बिताती हैं. इन विषयों को लेकर विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले समय में सूखा और बाढ़ दोनों की स्थितियां और गंभीर हो सकती हैं.वहीं चेन्नई जैसे शहरों में देखी गई डे जीरो जैसी स्थिति अन्य शहरों में भी बन सकती है. अंत में पैनल चर्चा में छात्रों ने भी जल संरक्षण को लेकर अपने सुझाव रखे.विशेषज्ञों ने कहा कि जल को बचाने के लिए केवल नीतियां नहीं बल्कि जनभागीदारी भी उतनी ही जरूरी है.

आज भोपाल में मनाया जाएगा बिहार दिवस

भोपाल, 22 मार्च. बिहार फाउंडेशन भोपाल चैप्टर के तत्वावधान में सोमवार 23 मार्च को मनाया जाएगा. यह आयोजन शनि मंदिर प्रांगण, बाग सेवनिया में शाम 7:30 बजे से प्रारंभ होगा. कार्यक्रम पटना बिहार के प्रसिद्ध लोकगीत गायक सत्येंद्र कुमार एवं उनके साथियों द्वारा लोकगीतों की प्रस्तुति दी जाएगी. इस अवसर लिट्टी चोखा के स्टॉल लगाये जायेंगे.

बिहार फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य बिहार के प्रवासी समुदाय को एक मंच पर लाना, राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करना तथा देश-विदेश में बसे बिहारियों को विकास, निवेश, कौशल एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना है.

नाटक में हंसी के पीछे छिपी रिश्तों की सच्चाई

नाटक कैक्टस फ्लॉवर का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 मार्च. लिटिल बैले ट्रूप में धरोहर 16 के तहत रविवार को नाटक कैक्टस फ्लॉवर का मंचन किया गया.

प्रसिद्ध अंग्रेजी नाटककार येब बरोस की कृति पर आधारित इस प्रस्तुति का रूपांतरण प्रवीण महुवाले, निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव वर्मा ने किया. भोपाल थिएटर समूह के कलाकारों ने इसे मंच पर सजीव रूप दिया. कथा एक ऐसे चिकित्सक के इर्दगिर्द घूमती है जो प्रेम को जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक खेल की तरह जीता है. जैसे जैसे घटनाएं आगे बढ़ती हैं, उसके भ्रम धीरे-धीरे टूटने लगते हैं और सच्चाई सामने आती है. इसके समानांतर एक विवाहित अधिकारी का संतुलित जीवन भी कहानी में दिखाया है.दोनों पात्रों की सोच और जीवन दृष्टि का अंतर संवादों के माध्यम से स्पष्ट होता है.यही टकराव नाटक को आगे बढ़ाता है और अंत में आत्मबोध की स्थिति तक पहुंचाता है. अभिनय में रीता वर्मा, प्रवीण महुवाले, महुआ चटर्जी, सुनील सक्सेना और राजीव वर्मा ने अपने पात्रों को स्वाभाविकता के साथ निभाया है.

शिल्पकला | मानव संग्रहालय में इकोनॉमी टॉय फेयर में दिखी स्वदेशी खिलौनों की झलक

हाथ से बने खिलौनों से जीवंत हो रही कला

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 मार्च. हस्तनिर्मित खिलौनों के बीच जब बच्चों की मुस्कान और शिल्पकारों की मेहनत एक साथ दिखती है कार्यक्रम सिर्फ मेला नहीं बल्कि देश की संस्कृति का जीवंत उत्सव बन जाता है. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में स्थापना दिवस पर आयोजित क्रिएटिव इकोनॉमी टॉय फेयर इस बार लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है.

देश के अलग-अलग राज्यों से आये शिल्पकार अपनी कला के माध्यम से स्वदेशी खिलौने को बढ़ावा देने का संदेश भी दे रहे हैं.

राजकोट की मीना पटेल की क्रोशिया कला से लेकर बुधनी और मध्यप्रदेश के शिल्पकारों की आदिवासी डॉल्स तक हर स्टॉल पर परंपरा की झलक दिखाई दे रही है. राजस्थान की कठपुतलियां, कर्नाटक के चन्नपटना खिलौने और मणिपुर के क्रोशिया डॉल्स ने आगंतुकों को खासा आकर्षित किया.

पारंपरिक व्यंजन से स्वाद में घुल रहा रंग

मेले में महाराष्ट्र की पूरणपोली, दक्षिण भारतीय व्यंजन, बंगाल की मिठाइयां और मध्यप्रदेश के जनजातीय व्यंजनों ने लोगों को देशभर के स्वाद से जोड़ दिया. कार्यक्रम में लोक संस्कृतियों की प्रस्तुतियों ने माहौल को और जीवंत बना दिया.ओडिशा का डालखाई नृत्य, राजस्थान का भवाई, छत्तीसगढ़ का गोंड नाट्य और दक्षिण भारत के पारंपरिक नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.

गरबा कर मातारानी से विश्व शांति की कामना

भारत भवन में आद्या समारोह का समापन

विशेष संवाददाता

भोपाल, 22 मार्च. विश्वभर में बढ़ते संघर्ष, आतंकवाद, पर्यावरणीय संकट और सामाजिक विभाजन के बीच शहर में आयोजित एक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में शांति का संदेश गूंजा. चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर द आर्ट हाउस, भोपाल के तत्वावधान में संस्कार गरबा समिति द्वारा भव्य देवी वंदना एवं गरबा कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम में मां दुर्गा की आराधना में संस्कृत भक्ति गीतों के साथ गरबा प्रस्तुत किया गया, जो ऋतु परिवर्तन और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक बना. नृत्य निर्देशन दुर्गा मिश्रा द्वारा किया गया, जबकि संयोजन सुरेखा निकोसे एवं रंजीत निकोसे के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ. सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से विश्व शांति और भारत की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की.कार्यक्रम में भाजपा नेत्री इंदु चौधरी सहित अनेक गणमान्य महिलाएँ उपस्थित रहीं.